रजिस्ट्री सं० डी. (डी.एन.)-127

REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 463] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 28, 1989/श्रावण 6, 1911
No. 463] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 28, 1989/SRAVANA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1989

का.आ. 592 (अ) :--भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, खंड (ii) तारीख 18 मई, 1989 में प्रकाशित भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 364 (अ) तारीख 18 मई, 1989 में,--

(1) प्रारंभिक पैरा में "शक्तियों" शब्द के स्थान पर "शक्तियों" शब्द पढ़िए ।

(2) खंड 2 के उपखंड के प्रारंभ में (i) संख्यांकित करके पढ़िए ।

(3) प्ररूप 2-ग में नामनिर्देशिती की विशिष्टियों में "निर्वाचन नामावली" शब्दों के स्थान पर "निर्वाचक नामावली" शब्द पढ़िए ।

(4) प्ररूप 2-ग की सारणी के स्तंभ 1 के क्रमसंख्यांक 10 पर दो संकेत चिन्ह लगाकर पढ़िए ।

(5) प्ररूप 2-ग के स्तंभ 3 में "पूरा पता" शब्दों के स्थान पर "पूरा नाम" शब्द पढ़िए ।

(6) प्ररूप 2-ग की सारणी के नीचे दी गई घोषणा को मद (ख) में "खड़ा किया गया हूं/गई हूं" शब्दों के स्थान पर "खड़ा किया गया हूं/खड़ी की गई हूं" शब्द पढ़िए । इसी प्ररूप के अंत में निम्नलिखित को जोड़ कर पढ़िए :

नामनिर्देशन-पत्र के लिए रसीद और संवीक्षा की सूचना

(नामनिर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को देने के लिए)

नामनिर्देशन-पत्र का क्रम संख्यांक...................... ....का, जो ....(राज्य) की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों/..................(राज्य) के निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन हेतु अभ्यर्थी है, नामनिर्देशन-पत्र मुझे मेरे कार्यालय में............(तारीख) को ....(बजे) अभ्यर्थी/प्रस्थापक...........(नाम) द्वारा परिदत्त किया गया है। सभी नामनिर्देशन-पत्रों का संवीक्षा..... (तारीख) को................(बजे)....... ... (स्थान में की जाएगी ।

रिटर्निंग आफिसर

तारीख............

टिप्पणी :--जहां अनुकल्प दिया गया है, वहां लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए ।

(6क) रिटर्निंग आफिसर के हस्ताक्षर से संबंधित पंक्तियों के नीचे कोष्ठक में "छिद्रण" शब्द लगाकर पढ़िए ।

(7) प्ररूप 2-घ में नामनिर्देशिती की विशिष्टियों में "निर्वाचन नामावली" शब्दों के स्थान पर "निर्वाचक नामावली" शब्द पढ़िए ।

(8) प्ररूप 2-घ में सारणी के स्तंभों को 1, 2, 3, 4 और 5 संख्यांकित करके पढ़िए। इसी प्ररूप में संकेत चिन्ह के सामने "लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए" शब्दों का लोप करके पढ़िए और इस प्ररूप के अंत में संकेत चिन्ह के सामने "लागू न होने वाला शब्द काट दीजिए" शब्दों के स्थान पर टिप्पण : जहां अनुकल्प दिया गया है वहां लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए" शब्द पढ़िए।

(9) प्ररूप 2-घ की सारणी के नीचे दी गई घोषणा की मद (ख) मे "खड़ा किया गया हूं/गई हूं" शब्दों के स्थान पर "खड़ा किया गया हूं/खड़ी की गई हूं" शब्द पढ़िए। मद (ग) के अंत में "और" शब्द जोड़ कर पढ़िए।

(10) प्ररूप 2-ङ. में "निर्वाचन नामावली" शब्दों के स्थान पर "निर्वाचक नामावली" शब्द पढ़िए और इसी प्ररूप के अंत में "जहां अनुकल्प दिया गया है वहां लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए" शब्दों के आरंभ में "टिप्पणी" शब्द रख कर पढ़िए।

(11) प्ररूप 2-ङ. में स्तंभ 1 के क्रम संख्यांक 10 पर संकेत चिन्ह लगाकर पढ़िए।

(12) प्ररूप 2-ष की सारणी के नीचे दी गई घोषणा की मद (ख) में "खड़ा किया गया हूं/गई हूं" शब्दों के स्थान पर "खड़ा किया गया हूं/खड़ी की गई हूं" शब्द पढ़िए और "मद (घ) को इस प्रकार पढ़िए" अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं..............परिषद निर्वाचन क्षेत्र से..............(राज्य) की विधान परिषद में रिक्त स्थान को भरने के लिए चुने जाने हेतु अर्हित हूं और निर्हर्कित नहीं हूं।"

(13) प्ररूप 3 ख के आरंभ में विधान सभा शब्द के पश्चात् "निर्वाचक" लगाकर तथा "के" शब्द को काट कर पढ़िए।

(14) प्ररूप 3-ख में सारणी के स्तंभ 1 के नीचे संख्यांक 1 से 10 तक का लोप करके पढ़िए। इसी प्ररूप के स्तंभ 8 में "प्रस्थापक का नाम" शब्दों के स्थान पर "प्रस्थापकों के नाम" शब्द पढ़िए और स्तंभ 9 में "प्रस्थापक का क्रम संख्यांक" शब्दों के स्थान पर "प्रस्थापकों के क्रम संख्यांक" शब्द पढ़िए।

(15) प्ररूप 3-ग के स्तंभ 4 में "अभ्यापा" शब्द के स्थान पर "अभ्यर्थी" पढ़िए और इसी प्ररूप में सारणी में स्तंभ 7 में "अभ्यर्थी का निर्वाचक नामावली संख्यांक" "शब्दों के स्थान पर" विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में अभ्यर्थी का निर्वाचक नामावली संख्यांक" शब्द पढ़िए और स्तंभ 8 में "प्रस्थापक का नाम" शब्दों के स्थान पर "प्रस्थापकों के नाम" शब्द पढ़िए तथा स्तंभ 9 में "निर्वाचन नामावली शब्दों के स्थान पर "निर्वाचक नामावली" शब्द पढ़िए। इसी प्ररूप के अंत में संकेत चिन्ह के सामने जो अनुकल्प समुचित न हो उसे काट दीजिए। शब्दों के स्थान पर "टिप्पणी : जहां अनुकल्प दिया गया है वहां लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए" पढ़िए।

प्ररूप 2-ग, 2घ और 2-ङ. में जहां कहीं "प्रदत्त" शब्द आया है उसके स्थान पर "परिदत्त" शब्द पढ़िए।

[सं० एफ. (7) (19)/85-वि-2]

एम. के. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1989